आप खुदा की आवाज को सुन सक्ते है।

आप जिस प्रकार का हम जीवन गुजार रहे हैं इस प्रगति के दोरे में यदि कोई व्यक्ति यह दावा करे कि वह खुदा की आवाज को वह सुन रहा है तो हमें आश्चर्य होता है। पर फिर भी हम उसे विखास कर लेते हे। जिसके कई कारण है। सब से प्रथम श्री एवं पुरुश सभी ने बाईबल द्वारा खुदा की आवाज को सुना। पिर भी आज इस प्रकार के लौग है जो खुदा की आवज़ को सुनते हैं। बहर द्यल हम सब के हृदय मे यह भावना द्योती हे कि वह खुदा से दिल हो दिल के भीतर बात-चीत करे। दोबारा जीवित, बाईबल का विखासनीय मसीही होने के नाते मैं ने खुदा की आवाज् को सुन्ने के लिए कई वशों तक असफल प्रयल किय है। मै ने प्रार्थना की, रोजा रखा, बाईबल पढ़ा और खुदा की भावाज़ को सुन्ने कां प्रयत्न किया पर कोई लाभ नहीं पाया। थेरे आपने भीतर कोई आवाज सुनाई नहीं दी। पिर खुदा ने मुझे एक वर्ष तक छोड़ दिया कि मैं इस समय के दौरान पढ़हू, तयारी करूँ एवं यह सीखूं कि यह लक्षय किस प्रकार से प्राप्त करसकूँ। इस समय के दोराब खादा ने मुझे यह सुचना सिखाई कि इस रास्ते की चार कुंजियाँ पाई जाती हैं जिसके द्वारा दो-राही प्राथना का द्वार प्राप्त हो सकता हे। मैं ने देरवा कि यह सूचना न केवल मेरे लिय फायदामंद है बलकि कई हज़ार विखासनीय व्यवितयों को इस मे लाभ पहुंच सका है जो मसीही धमे से करीब हो गय हैं। यह लाभ आप भी उठा सकते हैं थदी आप इस पर विखास करें एवं इन चार कंजियें का उपयोग करें। जो आपको हाबाक्कुक २:१, २ I में प्राप्त होंगे।

कुंजी सेः। खुदा की आवाज़ हमारे हृदय के भीतर चश्मे को तरह आती है। इसी कारण जब मैं खुदा की और ध्यान लगता है तो एक चश्म उबलता हैं।

बाईबिल कहती है कि मुझे खुदा की आवाज आई... (हब २:२) हबक्कुक खुदा की आवाज को जानने थे। एलीज़ा ने कहा कि यह एक थीमी आवाज़ थी (I किंरास १९:१२) मैं ने सुना हें इस भीतर वाली आवाज़ को। यकीबन खुदा इसी प्रकार से हम से बात-जात करता है। खुदा की आवाज़ भीतर से धीमे से चश्मे की तरहा हम सबके दीलों मे आती हैं। जो विचारों

एवं भावनाओं के रूप मे द्यंती हैं। जैसे जब हमं कहीं जारहे द्येते हैं तब अचानक हमें यह विचार आजाता है कि हमें उस व्यक्ति के लिय प्रार्थना करना चाहिय। हमें जब भि एसा विचार आता है तो हम यह कहते हे कि यह खुदा की आवाज़ है। मैं आप से यह पूछता हँ कि यह खुदा की आवाज हृदय के मीतर थी या चश्मे की तरह थी। आप में से आधिक लोग यही कहैं मे कि यह चश्में की प्राकार की आवाज़ थी।

इस कारय मैं बे सम्झा कि खुदा की आवाज चश्मे के प्रकार द्येती है। भावनाऔं के द्वारा रावं विचारों के आधार पर मैं यह विखास करने लगा हूँ कि यह इस प्रकार होता हैं। बाईबिल ने इसे सच्चा साबित किया है। हिब्रू भाषा में ‘पागा’ का बयान इस प्रकार किया है कि यह एक ‘अवसर-पर आधारित’ मौका द्येता है जो खुदा की ओर से हमारे दिलों के भीतर डालता है। इसी कारण जब मैं खुदा से लगओ लगता हूँ तो ‘अवसर-पर-आधारित’ मौका प्रणत करता हूँ जब विचार चश्मे के प्रकार आने लागते हैं। जो विखारुनीय तौर पर खुदा की ओर से द्येते हैं।

कुंजी से: २ जब मैं अपबे विचारों एवं भावनाओं को रेवता हूँ तब इश्वर के विचारों को पाता हूँ।

हबक्कुक ने कथ : में अपने आप को एक रासे स्थान पर खड़ा करदूंग जद्दाँ मैं अपने विचारों की रक्षा करुंगा। हबक्कुक यह जानते थे कि इश्वर की आवज को सुनने के लिए सक कुनरुन स्थान पर जाना आवश्यक है ताकी वह अपने विचारों पर काबू पा कर ध्यानी बन सके। जबहम अपने शरीर एवं ज्ञान रक काबू रखें तो प्रति ब्यकि इस आवाज को सुन सत्ता हैं।

इसके लि मैं ने कई उपाय प्राप्त कर लि हैं त्पकि इश्वर की आवज को सुना जा सके। प्रथेथ गीत द्वार ईशर के इस चश्मे को प्राप्त करने का यह एक अछा उपाय है। (देखो I I किंगस ३:१५) जैसे मैं खामुश द्ये जाता हूँ मुझे इखर की आवाज सुनाई देती है। जो कार्य मैं भुल जाता हूँ उसे मैं लिख कर रखता हूँ। जो मेरे मन मे बुरे विचार आते हैं मै उन्हें भूल जाता हूँ ताकी मैं इश्वर के सामने नेक मनुश्य बन सकूँ। (इस ६१:१०, कालम १:२२).

जब मैं इसा मसीह को देखता हूँ तो खामुश हो जाता हूँ तब में दो-राही रास्ते पर चलने लगता हूँ। विचारों का चाश्मा इश्वर की ओर से मेरे मन के भीतर बहने लगता है। और तब मैं विश्वास करने लागता हूँ की मैं राजाओं के राजा से बात-चीत कर रहा हूँ।

यह विद्ययत जरुरी है कि आप इश्वर से बात-चीत करने के लिए अपना पूरा हयन इश्वर की और लगऐं। यदि एका न हुसा ते अपको केवल अपने विचार ही आते रहेंगे पर इश्वर से बात-चीत नहीं कर मकते। यदी आपका ध्यान इसा मसीह से हट जाएगा तो आपका शुध विचार प्राप्त नही होंगें। इसी कारण आपका ध्यान इसा-मसीह की व्योर रखें।

इस प्रकार इश्वर की प्रर्थना की जा सत्ती हैं।

कुंजी सं : ३. जब में प्राथेना करता हूँ तो अपना मन एवं अपनी आंखें इसा मसीह पर लगी हों तब हमें इश्वर नज़र आऐंगे। इस बात की चर्रचा हम ने पहले कर चुके हैं। परंतु उसे और अधिक बनाय जाए। हबक्कुक नै कद्यः मैं उसको देखने की रक्षा करुंगा' तब इश्वर ने कहा 'तुम देखते रहो'। (हब २:१,२) यह गर्व की बात है कि हबुक्कुका यह दखने के इच्छुक थे तथा प्राथर्ना करने लगे। वह उनकी आंखें एवं दिल को खोलने वाला था कि इश्वर उसे रख्या दिखलाएग। यह एक दिलचस्प बात है। मे ने कभी भी यह नहीं सोचा था कि मेरे हुदय की आंखें इस मक़सह से खुलेंगी। जैसे जैसे मैं यह विचार करता गया मुझे महसुस हुआ कि इश्वर मेरे लिए यही चाहता है। वह मेरे ह्रदय में अंखें दीं। मैं ने उसे इश्वर को देखने के लिए उपयोग करुंका। मैं समझता हूँ कि मेरे चारों ओर इश्वर की दूवाथे फौली हुई यह दुन्या करुंग, रक्कसों एवं पवित्र आत्माओं से भरी पड़ी हुई है एवं यहां इश्वर की त था इश्वर के पुत्र, इसा की प्रस्तुति है। मुजे इन सबको न देखने का कोई कारण ही नही हैं।

सबसे प्रथम हमें यह देखना चाहिय कि हमें क्या देखने की आवश्यकथा है। दानियाल ने अपना ध्यान एवं मन लगाया एवं कह उठंः 'मैं देख रहा हूँ..... मैं देखता रहा...... मै देखता रहा' (दान ७:२,९,१३)। अब जैसे मैं प्रार्थना करने लगा मैं इसा मसीह को देखने लगा कि वह मुझ से बात-चीत करने लगे हैं। सारे ही इसाईयों का यह विशाय है कि जब वह इसा को देखने के इच्छुक देते हैं तब वह जरुर इसा मसीह को देखते हैं।

इसा मसीह एमानुएल हैं, इश्वर हमारे साथ (मोट १:२३). यह बहुत ही आसान बात है। आपको अपने भीतर दृष्टि एवं कलपना की शकि नजर आएगी। जिसके द्वारा विचारों का चश्मा आपके मन के भीतर बहता हुआ नजर आएगा। तब तुम इसा मसीह को देकेगे। परंतु शतान जो चर्च का शत्रु है आपके मन में शक पेदा करता है थदि आपका विखास हवाक हो तोयह शक तुरंत ही दूर हो जाएगा फिर आपको मन में इश्वर जाग उठेगा।

इश्वर हमेशा से ही अपने सास बनदें से बात चीत खपन में या विचारों दारा ज़ाहर करता हे यदि पवित्र आत्मा को भेजत है जैसे ऐक्ट २, में बयान क्या गया है, हमें आशा करनी चाहिय कि हमें भी खपन एवं विचारों द्वारा इश्वर की कृपा होगी (एक्ट २:१-४, १७). इसा मसीह ने इसका सच्चा सबूत हमारे सामने

ज़यर कियाहै! कि हम किस प्रकार से हश्वर से संबंध काएम रख सक्ते हैं।

उसने पिता को करते हुए देखा एवं पिता को कहते हुए सुना (जान ५१९,२०,३०)। क्या खुाबसुरत रास्ता है जिवित रहने का। क्या यह हमारे लिए मुमकिन है कि बिना इसा मसीह के हम जीवित रह सकते हैं? इसा मसीहा का जीना एवं म्रुत्यू सब इसी कारण था कि हम इश्वर को देखें एवं उसके करीब यहुंचें (लकः २३:४५; हिब्रू १०:१९-२२). इसी कारण मैं ने जो बीइसवी शताबी के लोगों को अपने विचार पेश विय हैं वह बाईबल द्वारा बताई गई हैं। अब हम चर्च को दोबारा प्रगढ करना होगा।

परंतु प्रस्तुत काल में कुछ लोगों को यह समझने में साहयता की हवरकता होती है जो उनहें इसी संपादक द्वारा लिखी गई पुस्तक ‘कम्मयूनियन वित गाड’ से सहायता है!

प्राप्त कर सकते है!

कुंजी सं : ४. दैनिक पंजी अपनी प्रार्थनाओं को लिख कर ईश्वर से जवाब पुचसक ते है। इस प्रकार आपको ईश्वर की आवाज़ सुन्ने में आसानी होमो। ईश्वर मे हबक्कुक से कहा

कि वह अपने विचारों को पन्नो पर लिखे....(हब २:२)। मैं ने इस प्रकार से कभी नहीं सोचा था जेसे हबक्कुक ने विया था यदी आप बाईबल में ढुँडोगगो बो इस प्रकार की कई मिसाल अपको प्रोप्त होगे (भजन (साम) के भीतर अनेक देवदूतों पर यह जाहिर हुआ है। फिर मैं ने ऐसा क्यूँ नही किया?

मैने इस पहति को अपनाया और दैनिक पंजी का कार्य आरंभ किया जब में ने ऐसा कार्य करनेलगा तब देखा कि मेरा विश्वास बढता ही जा रहा था। मुझे इस बात पर विश्वास हो गाया कि मैने जो भी क्या वह सब बाईबल के अनुसार हो था।

आप दैनिकपंजी करते हुए आश्चर्यजनक होंगे। प्रथम से आपके मन में संदेह अएंगे परंतु जब अप उसे अपने मन से निकाल बाहर करेगे तब आपको महसुस होगा कि ईश्वर आपके हां प्रस्तुत है, एवं अपने बालकों से बातचित करता हुआ दखेंगे। आप दिरज रहों!। जब अप कषृ महीं ककेगें एवं धीरज रहो गे!

रखेंगे तब ईश्वर की कृपया आपके मन में दौड़ेगी (हिबुः ४:१०)। इसी कारण मुस्कुराते रहिये, धीरज रखे, अपना क़लम

एवं कागज़ लें फिर इखर की ओर ध्यान करें ओर उसकी प्रशन्सा एवं प्रार्थना करें ताकि रुंयाम उसका दीदार हो जए! जब आप इस प्रकार से कागज़ पर लिखेगे एवं इसा मसीह को देखेंगे तब आपके मन में हछे विचार आने लगेंगे। फिर अविखास न होना। लिखत जोयेगा।
जब आप ऐंसा करेंगे तो वास्तविक प्रकार से आप ईश्वर से बात-चीत कर रहे हागे!

कूछ अंतिम टिप्पणी :

यह पददति उस समय अपनाही जाए जब आप में से प्रति वेकति नई टेस्टमेंन्ट (खास तोरे पर सारी हो बाईबल ! पढ़ न ले ! न केवल बाईबल पढ़ना चाहिये बलकि अपन साथ एक पंडित भी रखें ! यह सारी प्रथान्न सभी करें जब आप पूरी तरह से ईश्वर के सामने .... जाऐं !

लेखक :

मार्क एवं पैटटी विर्कलर